

## 1.1.

Η κατά σάρκα Περιτομή του Κυρίου και Θεού και Σωτήρος ημών Ιησού Χριστού,  
καί Μνήμη του εν Αγίοις Πατρός ημών Βασιλείου του Μεγάλου.

Въ пѣрвѣиѣ дѣнь, ѣже по плѣти ѡбрѣзанїе г҃а нашегѡ ѿна хр҃та:  
Ἡ πάλατῆ ἦκε ἐο ἑῷίχῃ Ὁῶλᾶ ἡσῆεγω βασιλίᾳ βελήκαγω, ἀρχιῆπῖκοπα κεσαρίῃ καππαδοκίῃεκῖα.

### 6. hlas // 2<sup>nd</sup> plag. echos

Εξεχύθη η χάρις εν χείλεσί σου  
Ο τήν χάριν τών θαυμάτων

Am 90, Dk 165, Ott 102r (207), Trin 110r,  
G260 79r, G261 69v, G262 90v, G265 77, G270 69r (76), G355 149r (185)

Vi 90, G356 68v (74)

Pp 96v, S439 58r, S440 63v

S411 77v, S414 454r, S431 177v, S442 221r,  
Tr 308

J005 495v

Εἰς τὴν Λιτὴν, Δόξα... Ἦχος πλ. β'

Εξεχύθη ἡ χάρις  
ἐν χεῖλεσί σου Ὅσιε Πάτερ.

καὶ γέγονας ποιμὴν τῆς τοῦ Χριστοῦ Εκκλησίας.

διδάσκων\* τὰ λογικά πρόβατα  
πιστεύειν εἰς Τριάδα ὁμοούσιον  
ἐν μιᾷ Θεότητι.

E2	//		E3/J
	a		
E2			E3/Jr
E2*	D2	//	
G	D2		E3

ГЛАВА, ГЛАГОЛЪ: 5:

Ἦ Ζλίаѡ благодѣтъ во ѡгнѣнѣхъ тѣо́нѣхъ, прѣ́бне Ѡ́ѣ.

ἦ бѣлѣз ѣи́и па́стѣрь хрѣ́то́вы цр̑кве.

οὔτ'α̑ λ̑οβѣ́ныа Ѡ́бцы

вѣ́рѡвѣтн̑и вѣ трѣ́цѣ ѣ́дннѡѣѣдн̑ѡ,

во ѣ́дннѡмѣ бж̑твѣ́ѣ.

**Εξεχύθη η χάρις εν χείλεσί σου Όσιε Πάτερ**

++++ Εξεχύθη η χάρις εν χείλεσί σου Όσιε Πάτερ



[D/E]



G265 > ÷ ε ψ > ψ >



Am, Ott > ÷ ε ψ > ñ ψ > Dk

Trin > ÷ ε ψ > ñ ψ >

G270 > ÷ ε ψ > ñ ψ >



G355 > ÷ ε ψ > ψ >



G261 > ÷ ε ψ > ψ >

Vi, G356 > ÷ ε ψ > ψ >

Εξ- ε- χύ- θη η χά- ρις,

Pp ζ ε ÷ ε ε ε ψ >

S439

Ⲅⲏⲓ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ

S440 ζ ε ε ε ε ε ε ψ >

Ⲅⲏⲓ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ

S411 ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ

S414/31/42 ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ

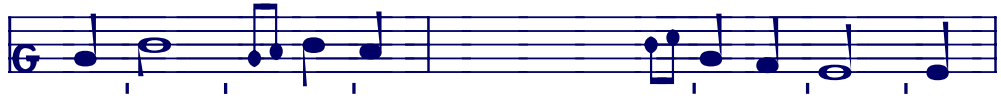
Ⲅⲏⲓ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ



Ⲅⲏⲓ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ ⲛⲁ



G261



G265

Am,Ott



G270



Trin

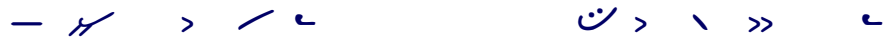


Dk

G355



Vi,G356



εν χει- λε- σί σου, Ο- σι- ε Πά- τερ,

Pp

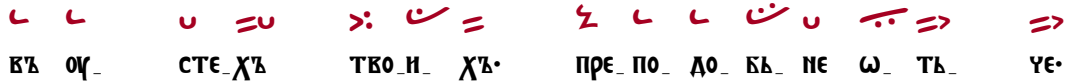


ΒΨ ΟΥ\_ ΣΤΕ\_ ΝΑ\_ ΧΨ ΤΒΟ\_ Η\_ ΧΨ ΠΡΕ\_ ΠΟ\_ ΔΟ\_ ΒΨ\_ ΝΕ\_ Ο\_ ΤΨ\_ ΥΕ\_

S439



S440



ΒΨ ΟΥ\_ ΣΤΕ\_ ΧΨ ΤΒΟ\_ Η\_ ΧΨ ΠΡΕ\_ ΠΟ\_ ΔΟ\_ ΒΨ\_ ΝΕ\_ Ω\_ ΤΨ\_ ΥΕ\_

S411



S414/31/42



Tr



ΒΟ ΟΥ\_ ΣΤΕ\_ ΝΑ\_ ΧΟ ΤΒΟ\_ Η\_ ΧΟ ΠΡΕ\_ ΠΟ\_ ΔΟ\_ ΒΕ\_ ΝΕ\_ Ω\_ ΤΕ\_ ΥΕ

Tr



J005



ΒΟ Χ\_ ΣΠΝΑ\_ ΧΟ ΠΒΟ\_ Η\_ ΧΟ ΠΡΕ\_ ΠΟ\_ ΔΟ\_ ΒΕ\_ ΝΕ\_ Ω\_ ΠΕ\_ ΥΕ



G260



Am

G265

G261



Ott

Trin

G355



Dk

G270

Vi

καί γε- γο- νας ποι- μὴν τῆς τοῦ Χρι-στοῦ

Εκ-κλη- σί- ας,

Pp

S439

и БЫ\_ СТЬ ПА\_ СТОУ\_ ХЪ.

Хри\_ сто\_

вЪ

Цер\_кѣ\_

ви\_

S440

и БЫ\_ СТЬ ПА\_ СТЫ\_ РЬ.

Хри\_ сто\_

вЪ

Цер\_ ко\_

ви\_

S411

S431

S414

S442

Tr

и БЫ\_ СТЬ ПА\_ СТЫ\_ РЬ

Хри\_ сто\_

вЪ

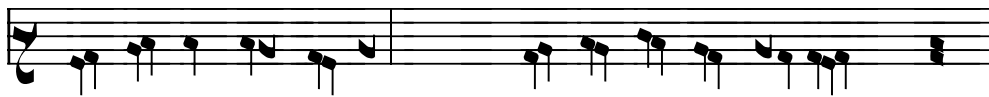
Цер\_ ко\_

ви\_

Tr



J005



и БЫ\_ СТЬ ПА\_ СТЫ\_ РЬ

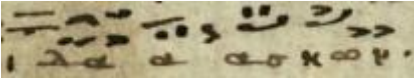
Хри\_ сто\_

вЪ

Цер\_ ко\_

ви\_

G356 —



Trin

Trin



G355

G262



G265

G261



Am

G260



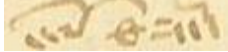
Dk

Ott

Vi,G356

δι- δά- σκωv

Pp



S439

S440

οη- γα-

S411/14/31

S442,Tr

οη- γα-



οη- γα



χ- γα



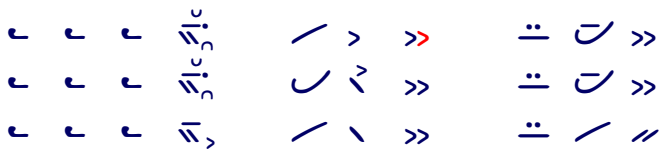
Am  
G262



tristem Am,Ott



Dk,Ott,Trin  
G355  
Vi,G356



τά λο-γι-κά πρό-βα-τα, πι-στεύ-ειν

Pp  
S439  
S440



σαο\_βε\_σε\_ ηλι\_α ω\_βε\_ετα\_εκ\_ρο\_βα\_τη\_

S411  
S431  
S442  
S414  
Tr

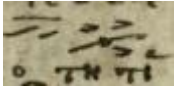


σαο\_βε\_σε\_ ηλι\_α ω\_βε\_ετα\_εκ\_ρο\_βα\_τη\_

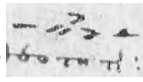


σαο\_βε\_σε\_ ηλι\_α ω\_βε\_ετα\_εκ\_ρο\_βα\_τη\_

Trin



G356



G270



Am,Ott



Dk,Trin



G355



Vi,G356



εις Τρι-ά- δα ο- μο- ού- σι- ον, εν μι- ά Θε- ό- τη- τι.

Pp



S440



ВЪ ТРО-И- ЦЮ ІЕ- ДИ- НЪ- СЮ- ЦИ- НЮ- ВЪ ІЕ- ДИ- НО- БО- ЖЪ- СТВО.

S439



ВЪ ТРО-И- ЦЮ ІЕ- ДИ- НО- СЮ- ЦИ- НЮ- ВЪ ІЕ- ДИ- НО- БО- ЖЪ- СТВО.

S411



S431



S414



S442



Tr



ВЪ ТРО-И- ЦЮ ІЕ- ДИ- НО- СЮ- ЦИ- НЮ- И- БО- ІЕ- ДИ- НО- БО- ЖЕ- СТВО.

Tr



J005



ВО ПРΟ- И- ЦѢ- ДИ- НО- СѢ- ЦИ- НѢ- ГО- И- ВО- ІЕ- ДИ- НО- БО- ЖЕ- СТВО.



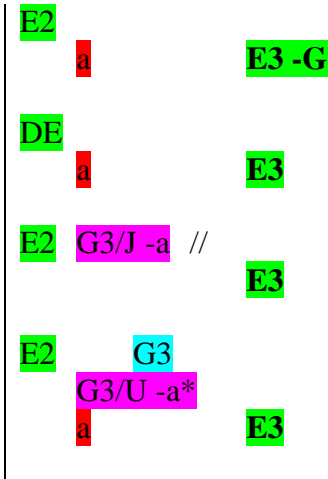
Εἰς τόν Στίχον, Δόξα... Ἦχος πλ. β'

Ὁ τὴν χάριν  
τῶν θαυμάτων ουρανόθεν κομισάμενος.

καὶ τὴν πλάνην  
τῶν ἐδώλων στηλιτεύσας ἐν τοῖς δόγμασιν.

Ἀρχιερέων υπάρχεις δόξα καὶ ἐδραῖωμα,  
παμμακάριστε Βασίλειε.

καὶ πάντων τῶν Πατέρων διδασκαλίας υπόδειγμα,  
Παρρησίαν ἔχων πρὸς Χριστόν  
αὐτόν κέτευε σωθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν.



Глагол, гласъ ѿ:

Благоудѣтъ чюдѣемъ съ нѣсѣ прїемъ,  
н лѣетъ ѿдольскѣю ѡбелнчѣемъ ѡгнѣннѣмн.

сѣтѣтелѣнъ ѣсѣ глагола н ѡгѣтѣрѣжѣнїе, вѣблѣжѣннѣ вѣсїлїе.

н вѣѣхъ прѣбннчъ ѡгнѣнїа ѡбразъ,  
дерзновѣнїе нмѣа къ бгѣ.

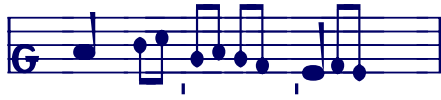
Тогò молѣ епарѣїа дѣшамъ нашымъ.

# Ο τήν χάριν τών θαυμάτων ουρανόθεν

+++++ Ο τήν χάριν τών θαυμάτων ουρανόθεν κομισάμενος

ἁγ ἁγ

[a/E]



Am	⌣	⌣	⌣	⌣
Dk	⌣	⌣	⌣	⌣
Ott	⌣	⌣	⌣	⌣
G262	⌣	⌣	⌣	⌣
G261	⌣	⌣	⌣	⌣
Trin	⌣	⌣	⌣	⌣

G262:



G355	⌣	⌣	⌣	⌣
Vi	⌣	⌣	⌣	⌣
G356	⌣	⌣	⌣	⌣

S411  
S414/31/42

⌣	⌣	⌣	⌣	⌣
⌣	⌣	⌣	⌣	⌣
⌣	⌣	⌣	⌣	⌣

Tr



⌣ ⌣ ⌣ ⌣  
⌣ ⌣ ⌣ ⌣  
⌣ ⌣ ⌣ ⌣





Am

Ott,Trin G262

Dk

G356

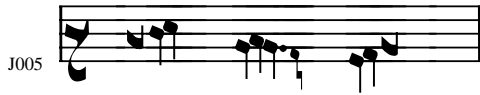
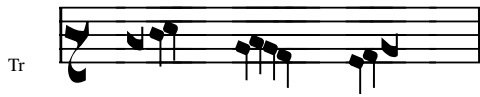
Vi

καί τήν πλά- νην

S411/31

S414/42 Tr

Η ΑΕ\_ ΟΤΕ



Η ΑΕ\_ ΟΤΕ



Am	>	·	///	>	⌒	⊖	⊖	>	⌒	///	>	⌒	
Dk	>	·	///	>	⌒	⊖	⊖	>	⌒	///	>	⌒	
Trin	>	·	///	>	⌒	⊖	⊖	>	⌒	///	>	⌒	
Ott,G355	>	·	///	>	⌒	⊖	⊖	>	⌒	///	>	⌒	
Vi	>	—	///	//	⌒	⊖	⊖	>	⌒	///	>	⌒	
G356	>	—	///	//	⌒	⊖	⊖	>	⌒	///	>	⌒	
		τών	ει-	δώ-	λων	στη-λι-	τεύ-σας	εν	τοίς	δόγ-	μα-	σιν,	
S411/31	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒
S414/42	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒
Tr	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒	⌒
	Η	ΔΟ	ΛΕ	ΣΚΟΥ	ΙΟ	ΩΒΛΗ	ΥΗ	ΛΟ	ΕΣΗ	ΣΛΟ	ΒΕ	ΣΚ	ΜΕ
	Η	ΔΟ	ΛΕ	ΣΚΟΥ	ΙΟ	ΩΒΛΗ	ΥΗΛΒ	Ε	ΣΗ	ΣΛΟ	ΒΕ	ΣΕ	ΣΚΟ
													Η



Η ΔΟ ΛΕ ΣΚΟΥ ΙΟ ΩΒΛΗ ΥΗ ΛΟ ΕΣΗ ΣΛΟ ΒΕ ΣΚ ΜΟ ΣΚΟ Η ΜΟ



G261



Am,Dk   
Trin   
Ott



G355   
G265   
Vi   
G356

Αρ-χι-ε-ρέ-ων υπ-άρ-χεις δό-ξα καί ε-δραί-ω-μα,

S431

S411

S414/42 Tr

ΑΡ\_ΧΗ\_Ε\_ΡΧ\_ΕΜΟ\_ΒΩ\_Ε\_ΣΗ\_ΣΛΑ\_ΒΑ\_Η\_ΟΥ\_ΤΒΕΡ\_ЖЕ\_ΝΗ\_Ε.



ΑΡ\_ΧΗ\_Ε\_ΡΧ\_Ε\_ΒΩ\_Ε\_ΣΗ\_ΣΛΑ\_ΒΑ\_Η\_Χ\_ΠΒΕΡ\_ЖЕ\_ΝΗ\_Ε.



Am,Ott,Trin



G355

Dk



Vi



S411/31



S414/42



Tr

παμ-μα- κά- ρι- στε Βα- σί- λει- ε,  
ΒΕ\_ CE\_ ΒΛΑ\_ ΞΕ\_ ΗΕ ΒΑ\_ CH\_ ΛΗ\_ Ε.



ΒΕ\_ CE\_ ΒΛΑ\_ ΞΕ\_ ΗΕ ΒΑ\_ CH\_ ΛΗ\_ Ε.

G261

Am

Ott,Trin

Dk

G355

Vi,G356

καί πάν- των τών Πα- τέ-ρων δι- δα-σκα- λί- ας υ- πό- δει- γμα.

S411/31/42

S414, Tr

Η ΚΕ ΣΤ ΜΒ ΠΡΕ ΠΟ ΔΟ ΒΕ ΗΥΙ ΜΒ ΟΥ ΥΕ ΝΗ ΙΑ Ω ΒΡΑ ΖΒ.

Tr

J005

Η ΚΕ ΣΤ ΜΟ ΠΡΕ ΠΟ ΔΟ ΒΕ ΗΥΙ ΜΟ Χ ΥΕ ΝΗ Δ Ω ΒΡΑ ΖΟ





Am    ˘ — ˘ > ˘ > > ˘ > ˘ > ˘ >  
 Ott    ˘ — ˘ > ˘ > > ˘ > ˘ > ˘ >

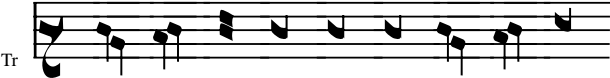


Dk, Trin    ˘ — ˘ > ˘ > ˘ > ˘ > ˘ >  
 G355        ˘ — ˘ > ˘ > ˘ > ˘ > ˘ >  
 Vi            ˘ — ˘ > ˘ > ˘ > ˘ > ˘ >  
 G356        ˘ — ˘ > ˘ > ˘ > ˘ > ˘ >

Παρ-ρη-σί- αν έ- χων προς Χρι- στόν,

S431    ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ :  
 S411    ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ :  
 S442    ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ :  
 S414    ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ : ˘ :

ΔΕΡ\_ ΖΗΟ\_ ΒΕ\_ ΝΗ\_ Ε\_ Η\_ ΜΑ\_ ΓΑ\_ ΚΟ\_ ΒΟ\_ ΓΟΥ



ΒΟ\_ ΓΟΥ



ΔΕΡ\_ ΖΗΟ\_ ΒΕ\_ ΝΗ\_ Ε\_ Η\_ ΜΑ\_ ΓΑ\_ ΚΟ



ΒΟ\_ ΓΑ



Am,Trin


Dk



G261

G265

Vi

G356

αυ-τόν ι-κέ-τευ-ε, σω-θή-ναι τάς ψυ-χάς η-μών.

S431

S411/14/42

Tr

ΤΟ\_ ΓΟ\_ ΜΟ\_ ΛΗ\_ ΣΠΑ\_ ΣΤΗ ΔΟΥ\_ΣΑ\_ ΝΑ\_ ΣΑ.



J005



ΠΟ\_ ΓΟ\_ ΜΟ\_ ΛΗ\_ ΣΠΑ\_ ΣΠΗ Δ\_ΣΑ\_ ΝΑ\_ ΣΑ.

